

LONG & *HOULE

LEVEL II

1

AD A056461

11/ I. 78/ (12) 15P/

6

A METHOD FOR THE RAPID EVALUATION OF HAZARDS
FROM TOXIC WASTE DEPOSITS.
JUN 1978

DDC
RECEIVED
JUL 12 1978
D

10

DUANE E. LONG
MARTIN J. HOULE

CHEMICAL LABORATORY DIVISION, DUGWAY PROVING GROUND
DUGWAY, UTAH 84022

Growing public and governmental concern for the overall deterioration of the environment has led to laws regulating the release of potentially toxic materials into the air or water. However, the resulting pollution control processes also produce large quantities of potentially hazardous wastes. The Department of Defense, a leader in pollution control and site reclamation, is concerned about monitoring for the possible release of toxic components from wastes produced at installations engaged in explosives manufacturing, electroplating operations, chemical weapons demilitarization, etc. Toxic materials may be present in the liquid fraction of a waste, or in the leachate produced by rain or surface water percolating through a solid waste. As these solutions soak through the soil they eventually can reach the ground water and present a hazard to water users.

The migration of chemical substances through soil is usually determined in the laboratory using columns packed with soil to a predetermined bulk density. These soil columns are challenged with a solution extracted from a waste by water or some other solvent such as municipal landfill leachate, or the soil is treated with simple solutions of the ion under study. A useful configuration is shown in Figure 1, along with typical plots of the data obtained from continuously-leached columns. (This example illustrates the case where the concentration of the compound of interest is reduced by passing through the soil.) Besides requiring close attention to regulating flow-rate, an important limitation of continuously-leached column experiments is the time and effort required to obtain and analyze a sufficient number of samples to make predictions of migration rates and of the toxic hazards that could result from leaching the waste. This usually requires months and may even take years, depending upon the flow-rate of the leaching solution through the column. The information obtained from a

AU NO.

DDC FILE COPY

78 06 09 103

DISTRIBUTION STATEMENT A

Approved for public release;
Distribution Unlimited

118150 Lee

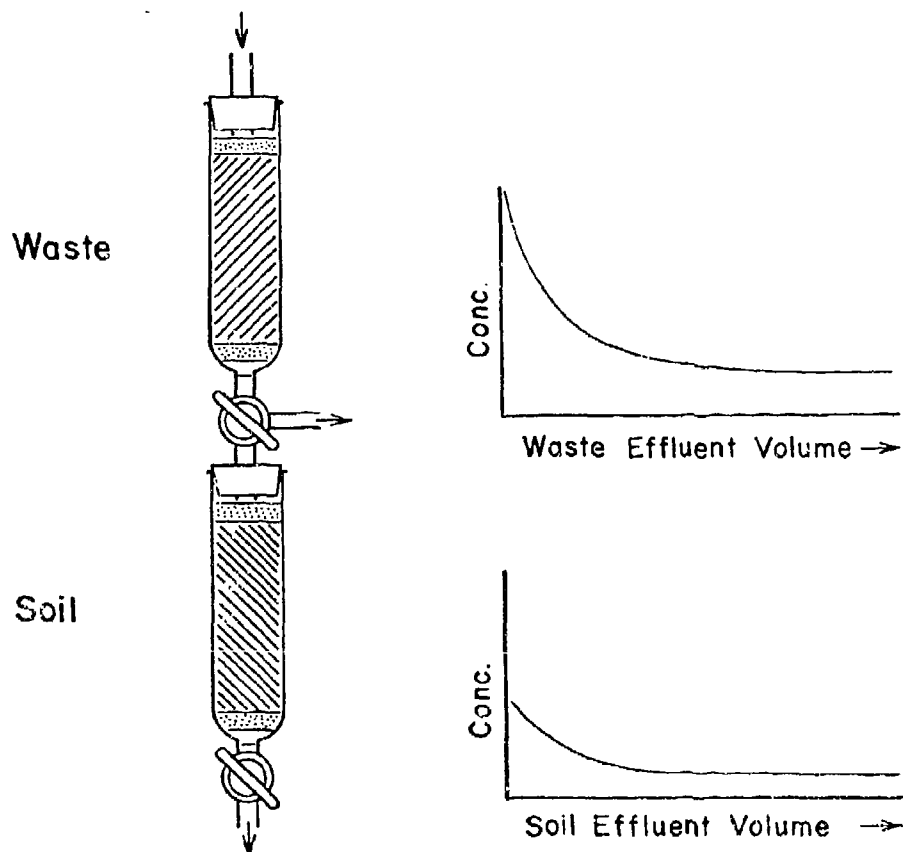


Figure 1. Continuously-leached columns and associated output plots.

relatively short-term column study cannot be expected to describe what will occur during years of leaching.

An Army activity wishing to evaluate the potential hazard from the disposal of a waste is faced not only with the problem of obtaining valid results in a reasonable length of time but also with designing experiments that adequately represent the field situation. An investigator must select values for each experimental parameter such as leaching solvent flow-rate, head pressure, soil bulk density, column diameter, waste-to-soil ratio, leaching time, etc. The choice of these values may not all be entirely arbitrary, but a given set will yield results which probably apply only to that particular combination of conditions and the experiment may not be very useful for making general predictions of the migration of chemical compounds through soil.

By having a more rapid and flexible experimental approach, a wider range of conditions can be investigated within the framework of

CLASSIFICATION	1B	1C	1D	1E	1F	1G	1H	1I	1J	1K	1L	1M	1N	1O	1P	1Q	1R	1S	1T	1U	1V	1W	1X	1Y	1Z	1AA	1AB	1AC	1AD	1AE	1AF	1AG	1AH	1AI	1AJ	1AK	1AL	1AM	1AN	1AO	1AP	1AQ	1AR	1AS	1AT	1AU	1AV	1AW	1AX	1AY	1AZ	1BA	1BB	1BC	1BD	1BE	1BF	1BG	1BH	1BI	1BJ	1BK	1BL	1BM	1BN	1BO	1BP	1BQ	1BR	1BS	1BT	1BU	1BV	1BW	1BX	1BY	1BZ	1CA	1CB	1CC	1CD	1CE	1CF	1CG	1CH	1CI	1CJ	1CK	1CL	1CM	1CN	1CO	1CP	1CQ	1CR	1CS	1CT	1CU	1CV	1CW	1CX	1CY	1CZ	1DA	1DB	1DC	1DD	1DE	1DF	1DG	1DH	1DI	1DJ	1DK	1DL	1DM	1DN	1DO	1DP	1DQ	1DR	1DS	1DT	1DU	1DV	1DW	1DX	1DY	1DZ	1EA	1EB	1EC	1ED	1EE	1EF	1EG	1EH	1EI	1EJ	1EK	1EL	1EM	1EN	1EO	1EP	1EQ	1ER	1ES	1ET	1EU	1EV	1EW	1EX	1EY	1EZ	1FA	1FB	1FC	1FD	1FE	1FF	1FG	1FH	1FI	1FJ	1FK	1FL	1FM	1FN	1FO	1FP	1FQ	1FR	1FS	1FT	1FU	1FV	1FW	1FX	1FY	1FZ	1GA	1GB	1GC	1GD	1GE	1GF	1GG	1GH	1GI	1GJ	1GK	1GL	1GM	1GN	1GO	1GP	1GQ	1GR	1GS	1GT	1GU	1GV	1GW	1GX	1GY	1GZ	1HA	1HB	1HC	1HD	1HE	1HF	1HG	1HH	1HI	1HJ	1HK	1HL	1HM	1HN	1HO	1HP	1HQ	1HR	1HS	1HT	1HU	1HV	1HW	1HX	1HY	1HZ	1IA	1IB	1IC	1ID	1IE	1IF	1IG	1IH	1II	1IJ	1IK	1IL	1IM	1IN	1IO	1IP	1IQ	1IR	1IS	1IT	1IU	1IV	1IW	1IX	1IY	1IZ	1JA	1JB	1JC	1JD	1JE	1JF	1JG	1JH	1JI	1JJ	1JK	1JL	1JM	1JN	1JO	1JP	1JQ	1JR	1JS	1JT	1JU	1JV	1JW	1JX	1JY	1JZ	1KA	1KB	1KC	1KD	1KE	1KF	1KG	1KH	1KI	1KJ	1KK	1KL	1KM	1KN	1KO	1KP	1KQ	1KR	1KS	1KT	1KU	1KV	1KW	1KX	1KY	1KZ	1LA	1LB	1LC	1LD	1LE	1LF	1LG	1LH	1LI	1LJ	1LK	1LL	1LM	1LN	1LO	1LP	1LQ	1LR	1LS	1LT	1LU	1LV	1LW	1LX	1LY	1LZ	1MA	1MB	1MC	1MD	1ME	1MF	1MG	1MH	1MI	1MJ	1MK	1ML	1MN	1MO	1MP	1MQ	1MR	1MS	1MT	1MU	1MV	1MW	1MX	1MY	1MZ	1NA	1NB	1NC	1ND	1NE	1NF	1NG	1NH	1NI	1NJ	1NK	1NL	1NM	1NN	1NO	1NP	1NQ	1NR	1NS	1NT	1NU	1NV	1NW	1NX	1NY	1NZ	1OA	1OB	1OC	1OD	1OE	1OF	1OG	1OH	1OI	1OJ	1OK	1OL	1OM	1ON	1OO	1OP	1OQ	1OR	1OS	1OT	1OU	1OV	1OW	1OX	1OY	1OZ	1PA	1PB	1PC	1PD	1PE	1PF	1PG	1PH	1PI	1PJ	1PK	1PL	1PM	1PN	1PO	1PP	1PQ	1PR	1PS	1PT	1PU	1PV	1PW	1PX	1PY	1PZ	1QA	1QB	1QC	1QD	1QE	1QF	1QG	1QH	1QI	1QJ	1QK	1QL	1QM	1QN	1QO	1QP	1QQ	1QR	1QS	1QT	1QU	1QV	1QW	1QX	1QY	1QZ	1RA	1RB	1RC	1RD	1RE	1RF	1RG	1RH	1RI	1RJ	1RK	1RL	1RM	1RN	1RO	1RP	1RQ	1RR	1RS	1RT	1RU	1RV	1RW	1RX	1RY	1RZ	1SA	1SB	1SC	1SD	1SE	1SF	1SG	1SH	1SI	1SJ	1SK</
----------------	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-------

78 06 09 103

factorial experiment designs which do allow making predictions even in the presence of statistical interaction between multiple variables. A fast method also allows making timely determinations, on demand, for each specific situation.

A graded serial batch procedure which is rapid and widely applicable has been developed in this laboratory. To validate this procedure, it first was necessary to establish a correlation between the batch procedure and continuously-leached columns. Experimental comparisons obtained were good and a consideration of the plotting parameters (discussed below) showed that this new approach could accelerate the testing of waste leachability and contaminant movement through soils.⁽¹⁾ The procedure also normalizes the results so they can be correlated to a range of field conditions. Some elements of this study have been corroborated by investigations conducted elsewhere.^(2,3)

CORRELATING CONTINUOUS AND BATCHWISE LEACHING

The data obtained from continuously leached columns may be presented in several ways. One technique is to plot the concentration of the chemical of interest found in the waste or soil column sample versus the cumulative volume through the column. The common way of expressing the cumulative volume is to use the cumulative pore volume calculated for the type and weight of soil employed. (The pore volume is the interstitial void in a volume of soil, and the total void space depends upon soil type and mass.) The scale of the cumulative volume axis therefore changes for different soil types and sample sizes when pore volume is employed. Figure 2 is an example showing the difference obtained with pore volumes of 40 and 60 milliliters. The corresponding total volume in milliliters is appended for comparison.

It often is not practical or possible to determine a pore volume for a waste due to its physical form (heterogeneous suspension, liquid, etc). Using the soil column pore volume as the measure of liquid volume through the waste allows correlating the waste-column output with the soil-column results in a given set of experiments. However, instead of using the soil pore volume as the principle plotting parameter, it is much more flexible to plot the observed concentration of a chemical in an extract versus the cumulative milliliters of leaching solvent per gram of waste or soil. This makes the scaling independent of soil type, soil sample weight, and waste-to-soil ratio, and allows the direct comparison of many different designs of experiments. The area under the curve represents the total weight of a chemical extracted per gram of waste or soil.

Batchwise extractions can be related to continuously-leached columns by recognizing that continuous leaching is equivalent to running a series of discrete extractions spaced by the frequency of collecting the effluent sample. Figure 3 shows that the concentration of the periodic column samples can be plotted to represent the average for

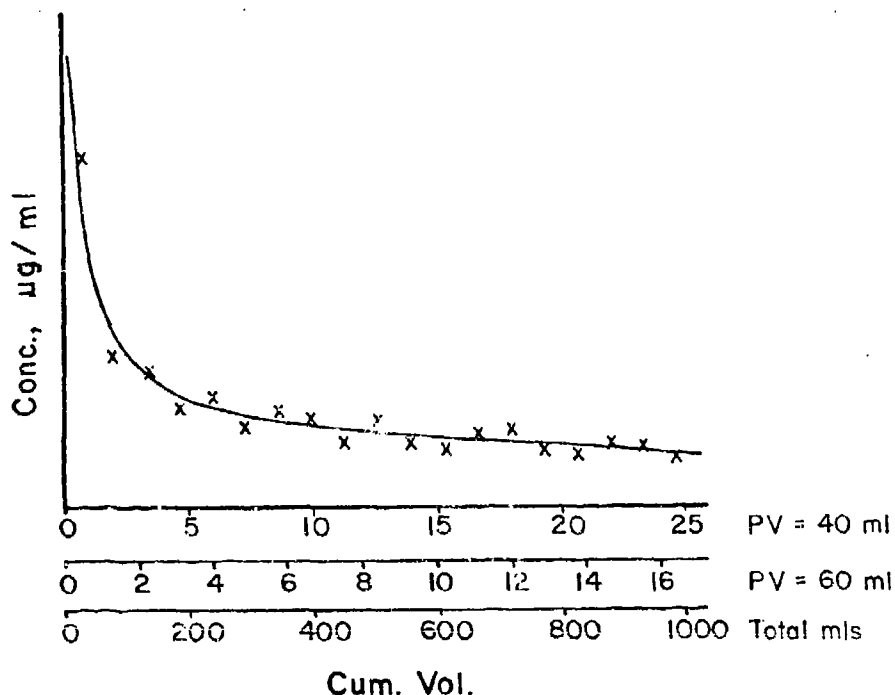


Figure 2. Differences in scales used to plot cumulative volume.

that sampling period. Thus, samples from the continuous leaching of a column correspond to sequential batchwise extractions by volumes of extractant equal to the volume passing through a column between the taking of samples.

When extracting a batch of waste or soil, instead of using the same volume of solvent for each successive extraction, the solvent-to-waste or -soil ratios can be graded in size as indicated by the extraction volumes pictured in Figure 4. A small solvent-to-solids ratio should probably always be employed for the first extractions; this is when the soluble species will be the most highly concentrated in the extract and the ionic strength will be at its maximum. Greater dilutions would reduce this, possibly affecting the solubility of other components. After the more soluble components have been extracted, the solvent-to-solids ratio can be greatly increased, thus reducing the total number of extractions required. The further along the cumulative milliliters per gram axis that the extraction volumes extend, the longer the period of column leaching the batch work is equivalent to.

Since batch extractions are quite rapid compared to letting the liquid percolate through a column, sequential batch extractions can be the basis for accelerated testing of wastes and soils. By relating

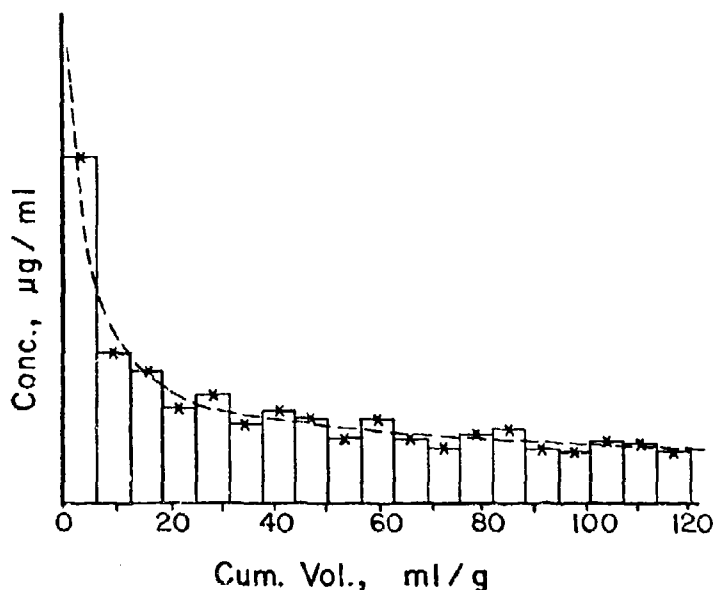


Figure 3. Relation between batch extractions and continuously-leached columns.

the rate of liquid-front movement to the volume flow rate per unit time, a scale of equivalent contact time can be added parallel to the axis labeled cumulative volume per gram, as shown in Figure 4. (The development of this concept is discussed in detail elsewhere.)(1) Table 1 lists the cumulative volume, in milliliters per gram, for the liquid-to-solid ratios employed, together with the equivalent exposure time for liquid front velocities of 1×10^{-4} , 10^{-5} , and 10^{-6} centimeters per second.

THE GRADED SERIAL BATCH EXTRACTION OF WASTES AND SOILS

The waste composition changes as components are leached from the waste. Each succeeding portion of extract will therefore generally have a different composition. Besides being challenged by a changing solution, the soil's ion-removal characteristics continually change with time as the soil becomes conditioned and loaded by the passage of waste extracts. Since each portion of waste is changed by passage through a segment of soil, the conditioning each succeeding segment of soil receives is different and each segment therefore may remove different proportions of the various ions present in the waste extract. So although the soil segments start out the same, in effect they become different soils due to the passage of the different waste extracts.

The soil removes ions from the waste, but the waste extract can also displace ions from the soil. In addition, soil can pick up a

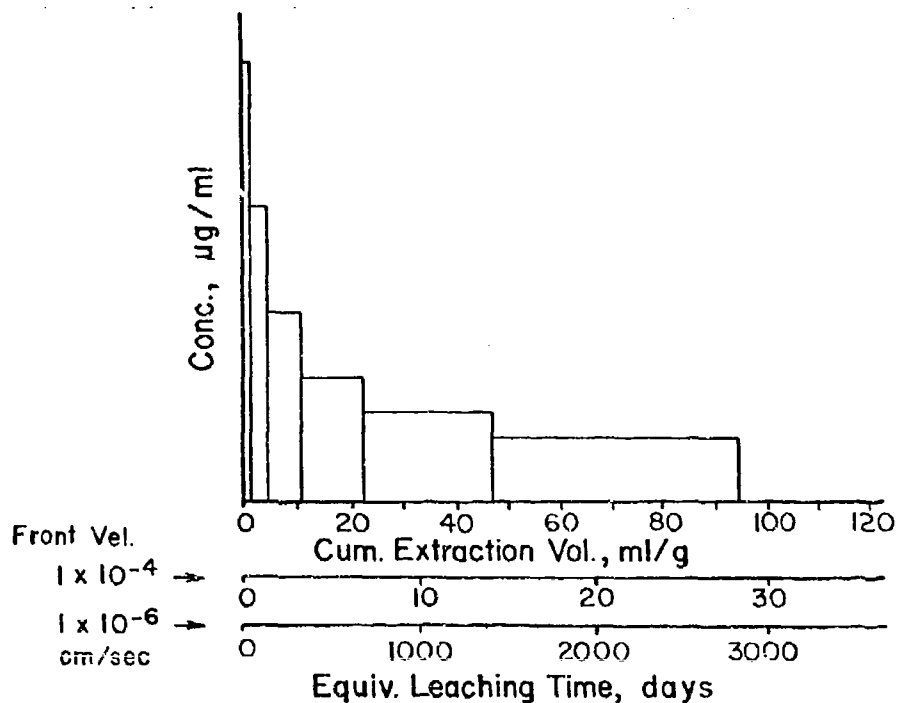


Figure 4. Relating extraction volumes to field leaching times.

TABLE 1.
Correlation Between Extraction Volume and Penetration Time

Extraction Number	Water Added, ml/g	Cumul ml/g	Equivalent Days of Penetration ^a		
			10^{-4}	10^{-5}	10^{-6} cm/sec
1	2	2	0.6	6	60
2	3	5	1.5	15	150
3	6	11	3.3	33	330
4	12	23	6.9	69	690 (1.9 yr)
5	24	47	14.1	141	1410 (3.9 yr)
6	48	95	28.5	285 (.78 yr)	2850 (7.8 yr)
7	96	191	57.3	573 (1.6 yr)	5730 (15.7 yr)

^aAt the specified liquid front velocity through a typical soil having bulk density of 1.6 g/cc and a pore volume of 0.24 ml/g .

specific ion from a waste solution of one composition and then give it up again as the liquid composition changes. The soil may also give up ions later because of intervening conditioning of the soil by the passage of the changing waste extract solution.

If extract samples were taken within a layer of soil, it would be possible to study this dynamically-changing situation. This can be accomplished by placing sampling ports in the side of a soil column, as shown in Figure 5. The same result can be attained in a shorter time with far fewer equipment difficulties by putting waste extracts on successive batches of soil and taking a sample after each extraction. A batch of soil then will represent a segment of soil from a soil layer.

Normally, the distribution of substances retained by the soil column is determined after leaching is conducted and the soil column is

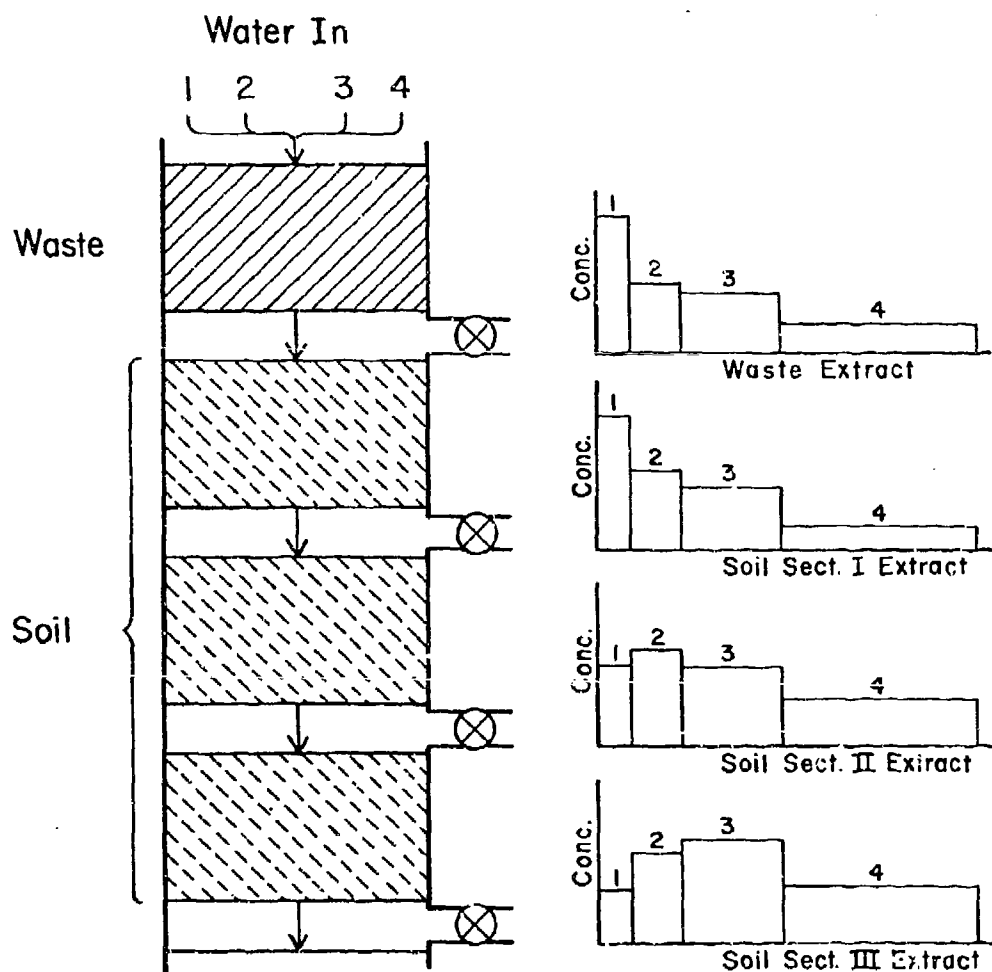


Figure 5. Challenging multiple soil segments with successive extracts of waste.

sectioned and analyzed. But, a serial batch approach, with sampling between batches of soil, yields a real-time picture of what is happening within a bed of soil and provides data which could allow extrapolating to the effect of thicker strata--something which cannot be done with validity from experiments with only a single layer, or from experiments which use artificially simple solutions. It is re-emphasized that batchwise testing also yields its information in a small fraction of the time required by columns or field studies.

THE EXPERIMENTAL PROCEDURE

A sequence of seven extracts was made from each type of industrial waste. First, a sample of waste was dried to determine moisture content, then sufficient undried sample to give 300 grams dry weight was weighed into a 2-quart, wide-mouth screw cap jar. (Drying the sample could affect hydrated species and drastically reduce the solubility. If the waste had supernatant water, the volume of the water was considered as part or all of the first extraction.) Appropriate volumes of water were added for each extraction to produce the liquid-to-solid ratio given in the second column of Table 2. The bottle was shaken gently four or five times each day. (Continual mechanical shaking was not used because of concern that it might abrade the waste agglomerates, making them more susceptible to extraction.) The time required to reach equilibrium can be determined by periodically withdrawing an aliquot for analysis; 24 hours is adequate for most wastes of small particle size. At the end of each extraction period, the mixture was filtered under vacuum using a hardened filter paper (such as Whatman 54) in a Buchner funnel. An aliquot of approximately 20

TABLE 2.
Specifications for Serial Batch Extractions

Extraction Number	Water Added, ml/g	Volume of Water, ml, Extracting 300 g Waste	Volume of Filtrate Onto a Soil		
			I 60 g Soil	II 30 g Soil	III 15 g Soil
1	2	600	120	60	30
2	3	900	180	90	45
3	6	1,800	360	180	90
4	12	3,600	720	360	180
5	24	7,200	1,400	720	360
6	48	14,400	2,800	1,400	720
7	96	28,800	5,760	2,280	1,440

milliliters was withdrawn for analysis and filtered through a 0.5 μ Millipore filter to remove fine particulates which might have bypassed the filter paper to possibly dissolve when the sample was acidified.

LONG & *HOULE

(After measuring conductance and pH, one percent concentrated nitric acid was added to inhibit precipitation while standing.) The solid waste residue was transferred back to the jar and mixed with the volume of water specified for the next extraction.

In the procedure detailed here, the liquid-to-solid ratio was continually increased to further accelerate the testing--the volume of each extraction after the second one was made double the one before, which redoubles the time represented by that extract. With some wastes adequate results may be obtainable from using very large volumes right from the first (or one or two extractions using small liquid-to-solid ratios, followed by a very large one) but this would have to be checked for each kind of waste. However, this procedure will allow rapid simulation of long leaching periods and could be useful in the routine monitoring of variations in waste composition and leachability.⁽⁴⁾

The filtrate resulting from each sequential extraction of the waste was mixed with the first of three batches of each kind of soil. The weights of soil used were 60, 30, and 15 grams, representing sections I, II, and III, respectively. This gradation in weight allows taking an aliquot of the extract for analysis and having enough left over to challenge the next soil batch with the same liquid-to-solid ratio. Extracting 300 grams of waste yields sufficient solution to challenge three different kinds of soil in experiments set up with the proportions stated in Table 2.

Although the soil equilibrates in 6 hours or less⁽⁵⁾, each solution was kept in contact with the batch of soil before filtration for the same length of time as used to extract the waste. This was to keep the samples progressing smoothly without gaps in the series. After filtering the soil extract, an aliquot was refiltered through Millipore and saved for analysis. The appropriate volume of the remaining filtrate was added to the next batch of soil. The soil exposed to the first waste extract was recovered and mixed with the second waste extract in the series. This was repeated until the waste had been extracted seven times and each waste extract had progressed through all three soil batches. This procedure was run in duplicate.

APPLICATION OF THE BATCH TECHNIQUE TO INDUSTRIAL WASTES

Two industrial wastes of widely divergent characteristics were carried through a series of seven batch extractions. The resulting extracts were used to challenge three different kinds of soils. The extract samples were analyzed to determine the amount of each ion of interest, the pH, and the conductivity at every stage of the batch tests. In about two weeks of laboratory work with each waste, these experiments simulated approximately 1.6 years of leaching under field conditions that give a liquid front velocity of 1×10^{-5} cm/sec. An eighth extraction would have extended this to the equivalent of three years in the field. The composition of the wastes and soils are

detailed below, together with the interpretation of the experimental results.

WASTE COMPOSITION

a. Elemental Phosphorus Production Waste. This waste originated from the production of elemental phosphorus by the electric furnace method. First, the ore is dried and calcined in a kiln and gases containing phosphorus, fluorides, and fuel decomposition products are emitted. These gases are passed through a water scrubber and the resulting liquor is treated with lime to precipitate these compounds. The solid fraction of the waste is composed primarily of calcium phosphate, calcium fluoride, calcium sulfate, and unreacted lime. The species of interest in the waste leaching and soil migration study were inorganic phosphorus (probably present as phosphates) and fluoride. These anions were present in a slurry of high alkalinity (pH 12.7).

b. Zinc-Carbon Battery Rejects. This waste consists of broken-open reject batteries. (Approximately one percent of the batteries produced are rejected.) The extract samples were analyzed for the mercury, zinc, cadmium, and lead leached from the batteries. These cations were present in a solution only slightly above neutrality (pH 7.5).

c. Soil Composition. Three soils were investigated for their ability to remove the metals of interest from extracts of the two wastes. The soils chosen were Chalmers (a gray, silty, clay loam from Indiana, a Mollisol), Davidson (a red clay from North Carolina, an Ultisol), and Nicholson (a yellow silty clay from Kentucky, an Alfisol). These soils were selected because of differences in their chemical properties and clay mineralogy. Chalmers and Nicholson soils have similar surface areas but the higher percentage of clay in the Nicholson soils yields a higher cation exchange capacity. In addition, the clay mineral composition is much different. The Chalmers clay composition is largely montmorillonite, with very small amounts of vermiculite, chlorite, and kaolinite. The Nicholson clay fraction is predominately vermiculite with only a trace of mica and kaolinite. In contrast, Davidson soil has a low surface area and cation exchange capacity. The clay fraction is predominately kaolinite which has a significantly lower cation exchange capacity than the above clays but this soil contains a higher percentage of hydrous oxides of iron. It has been shown that iron oxides play a major role in heavy and trace metal removal.⁽⁶⁾

d. Interpretation of Results. Plotting the waste output as in Figure 5 shows the depletion of the waste with continued leaching. To show the effect of passing the waste extract through soil, the histogram of Figure 6 is more useful. It presents the results obtained from extracting a batch of waste and placing these solutions in succession on three batches of soil. (Multiplying the observed concentration in micrograms/milliliter by the individual batch extraction volume

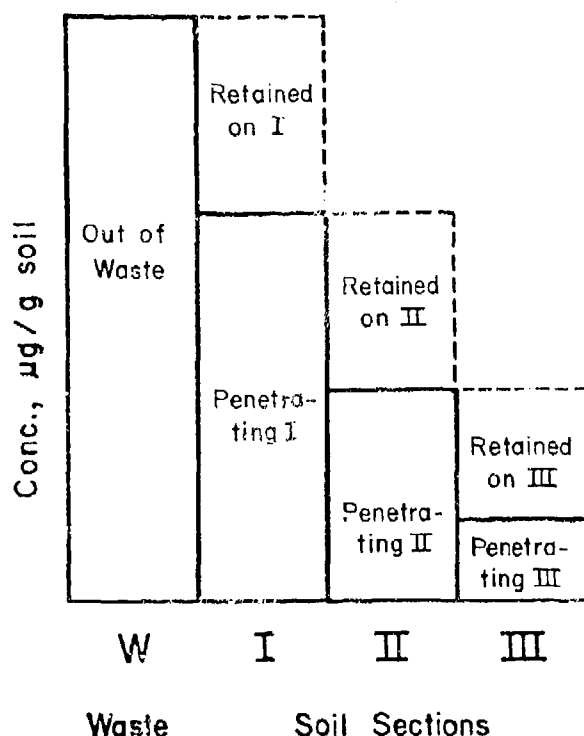


Figure 6. Histogram showing the penetration and retention of a species by soil.

per gram, milliliter/gram, converts the values to micrograms/gram of waste or soil.) The height of the histogram bar labeled W represents the micrograms of, e.g., phosphorus extracted per gram of waste. This is the challenge to the batch representing soil section I. The height of the bar labeled I shows the concentration of phosphorus penetrating the batch representing soil section I, and the difference in height between I and W is the amount of phosphorus retained per gram of soil. The ratio of (W-I) to W is the fraction removed by that soil section. Similarly, I is the challenge to II, and bar II shows the penetration through II. If the fraction of phosphorus removed by each soil section is different, this shows that the removal characteristics of the soil are affected by conditioning and by changes in the extract. This can be

further studied by comparing the histograms for the different extractions.

The soil batches can be treated in pairs as above, or it can be considered that a given amount of waste has challenged three different amounts of soil: section I, section I + II, and sections I + II + III. Thus, the fraction removed can be calculated for three different waste-to-soil ratios.

Because the fraction removed corresponds to the ratio of the concentration in the soil to the concentration in the solution, this is equivalent to the distribution coefficient, which is the slope of the adsorption isotherm. By calculating the fraction removed for each histogram bar, it is possible to follow the change in distribution ratio (the change in slope of the adsorption isotherm) for each different waste-to-soil ratio and for each serial extraction (which show the effect of the changing sample matrix). This is of considerable

LONG & *HOULE

importance for modeling and for making predictions of contaminant movement through soils.

Figure 7 is a composite plot of histograms which show the extraction of inorganic phosphorus from phosphorus production waste and its penetration through Davidson and Nicholson soils. (Chalmers gave results similar to Davidson so it is not plotted here.) Although fluorine is also of interest in this waste, phosphorus is used here as the example. Because of space limitations, only four of the seven serial extractions are pictured. Going vertically down the figure viewing any single column shows how the extraction and penetration of phosphorus changes as the leaching progresses. For example, the W's show a continuous decrease in the phosphorus concentration in the waste extract as the leaching continues.

It is seen that neither soil is effective in removing inorganic phosphorus from this waste extract. (When the histogram bar is higher than the preceding one, it shows that the soil is releasing phosphorus.) Davidson is slightly more effective in retarding the phosphorus movement than is Nicholson soil, but the phosphorus appears to move through the soil as a zone similar to that obtained in elution chromatography. This is probably due to the high pH of the waste extract (the pH ranged from 12.7 to 11.6 in the four batches). This drastically changed the environment within most of the soil batches by changing the soil pH from slightly acid to strongly basic. This condition favors the mobility of anionic species.

The soils had a much different effect on the waste extract from the zinc-carbon batteries than on the phosphorus waste extract. Although several metal ions were found in significant concentrations in the battery waste leachate, zinc will be used here as the example. Figure 8 presents a composite plot of histograms giving the penetration of zinc in battery extract through Davidson and Nicholson soils. (Chalmers soil gave nearly the same results for zinc as did Davidson soil.) Both soils removed significant quantities of zinc from the waste extract, but Davidson soil is considerably more effective than is Nicholson soil. Although Nicholson soil has much higher surface area and cation exchange capacity than Davidson soil, the iron oxide content of the Davidson soil is much higher than the Nicholson. This is one of the important factors in removing zinc. The pH of the soil extracts was also affected. Even though the first waste extract had a pH of 7.6, the Nicholson soil extracts from batches I, II, and III were quite acid: pH 5.8, 4.5, and 4.7, respectively, for the first extract. In comparison, the first Davidson soil extracts were pH 6.4, 6.3, and 6.4. The pH of the extracts from both soils were not comparable until they had been exposed to the fourth waste extract. The ability of Nicholson soil to remove zinc began to approach the removal capability of Davidson soil by the fourth in the series of extractions, either because of a conditioning of the Nicholson soil or because the zinc is then present

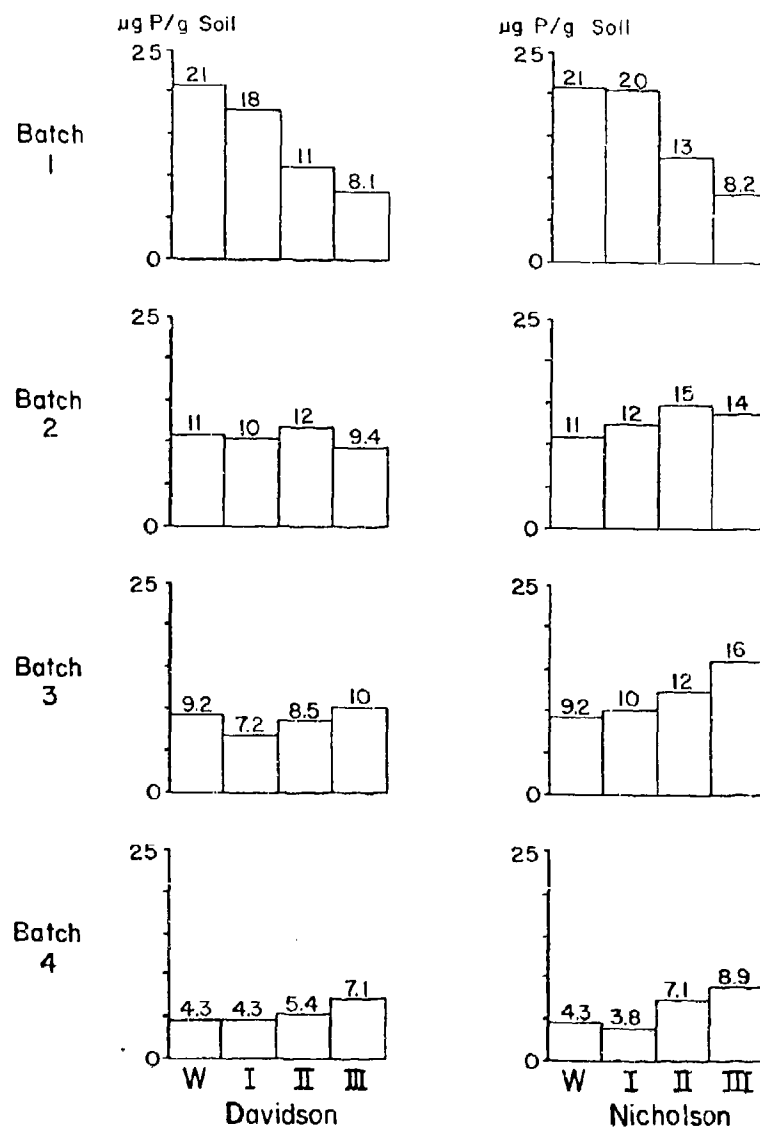


Figure 7. The extraction and penetration through soils of inorganic phosphorus from phosphorus production waste.

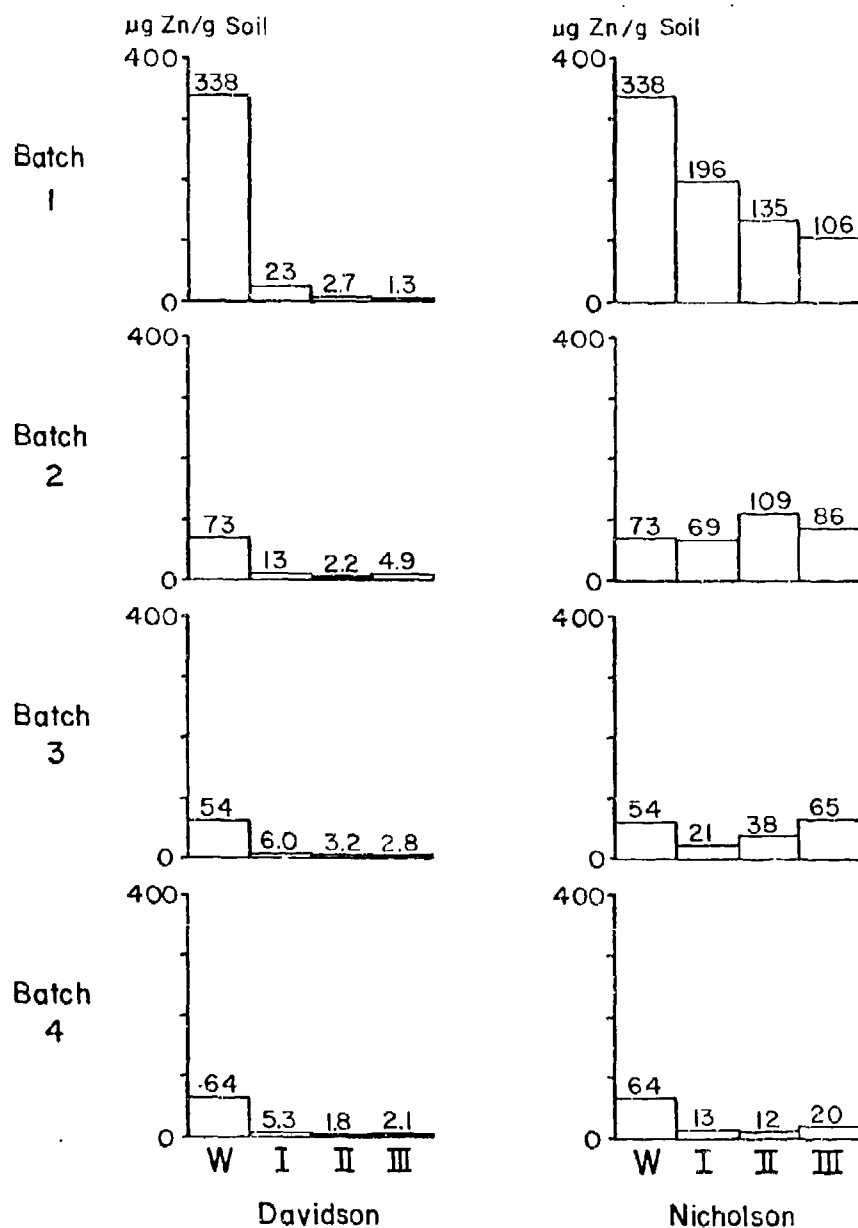


Figure 8. The extraction and penetration through soils of zinc from zinc-carbon batteries.

LONG & *HOULE

in a waste leachate of different composition. Release of zinc from a soil section is shown whenever one histogram is higher than a preceding bar. Nicholson soil shows a considerable release of zinc from the second and third soil batches. This is probably zinc taken out of previous extracts but later released by the soil due to the change in composition of the later extracts and the different soil history.

CONCLUSION

It has been demonstrated that the leaching of a waste can be characterized and the ability of a soil to remove a chemical species from the waste leachate can be rapidly evaluated using serial batchwise extractions. This new method for evaluating a waste-soil system is not only much faster, it gives even more information than columns about the pickup and release characteristics of soils for toxic species in a dynamically changing situation. The batch technique is also far more convenient for rapidly investigating the effect of various environmental factors and lends itself to evaluating the effects of other variables such as sunlight, drying or freezing cycles, etc., via factorial experiments.

No one method can give all the answers, but the graded serial batch approach can quickly provide much of the information needed to assess the categories of hazards from a class of wastes and to make decisions concerning the suitability of soil types for inhibiting the migration of hazardous chemicals.

REFERENCES

1. Houle, M. J. and Long, D. E., In: Land Disposal of Hazardous Waste, Proceeding of the Fourth Annual Research Symposium, Mar 78, US Environmental Protection Agency, Cincinnati, OH 45268, In Press.
2. Liskowitz, J. W., et al., In: Residual Management by Land Disposal, Proceedings of the Hazardous Waste Research Symposium, Feb 76, EPA-600/9-76-015, US Environmental Protection Agency, Cincinnati, OH 45268, p. 162-176.
3. Farquar, G. L., and Rovers, F. A., In: Gas and Leachates from Landfills: Formation, Collection, and Treatment, Proceedings of a Symposium at Rutgers University, New Brunswick, New Jersey, Mar 75, EPA-600/9-76-004, US Environmental Protection Agency, Cincinnati, OH 45268, p. 54-70.
4. Houle, M., Long, D., Bell, R., Weatherhead, D., and Soyland, J., In: Proceedings of a National Conference About Hazardous Waste Management, Feb 77, Prepared for US Environmental Protection Agency, In Press.
5. Griffin, R. A., and Shimp, N. F., Sep 75, US Environmental Protection Agency, Cincinnati, OH 45268, Contract No. 68-03-021. In Press.
6. Jenne, E. A., In: Trace Inorganics in Water, Advanced Chemistry Series 73: 337-387, 1968.